This question paper contains 4+2 printed pages]

5385-A4

M.A. (Final) EXAMINATION, 2017

HINDI LITERATURE

Paper V

(रचनाकार का विशेष अध्ययन : भारतेंदु हरिश्चन्द्र)

Time allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

खण्ड 'अ' [Marks : **20**]

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर ***पचास*** *शब्दों से अधिक न हो।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड 'ब' [Marks : **50**]

प्रत्येक इकाई से ***एक*** *प्रश्न चुनते हुए, कुल* ***पाँच*** *प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

खण्ड 'स' [Marks : **30**]

कोई ***दो*** *प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

P.T.O.

खण्ड 'अ'

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये :

(क) भारतेंदु के जन्म एवं मृत्यु का वर्ष लिखिये।

(ख) भारतेंदु मंडल के **दो** सदस्यों के नाम लिखिये।

(ग) 'अंधेर नगरी' में कुल कितने अंक हैं ?

(घ) "बच्चा नारायणदास, यह नगर तो दूर से बड़ा सुन्दर दिखाई देता है।" यह वाक्य किसने किससे कहा ?

(ङ) 'प्रतिनिधि संकलन' पुस्तक में 'हिन्दी कविता' शीर्षक पाठ किस पत्रिका के सम्पादकीय के रूप में लिखा गया था ?

(च) 'सरयू पार की यात्रा' किस विधा की रचना है ? इसमें किसका वर्णन है ?

(छ) भारतेंदु द्वारा संपादित **दो** पत्रिकाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिये।

(ज) पत्रकार के रूप में भारतेंदु का योगदान बताइये।

(झ) भारतेंदु ने नाटकों तथा कविता में किस-किस भाषा का प्रयोग किया ?

(ञ) हिंदी को भारतेंदु के योगदान पर **चार** वाक्य लिखिये।

खण्ड 'ब'

इकाई I

2. भारतेंदु के नाट्य-साहित्य का मूल्यांकन कीजिये।

3. भारतेंदु की काव्य-भाषा का समुचित उदाहरण देते हुए परिचय दीजिये।

इकाई II

4. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

"अपनी जात बेचते हैं। टके के वास्ते ब्राह्मण से धोबी हो जायँ और धोबी को ब्राह्मण कर दें, टके के वास्ते जैसी कहो, वैसी व्यवस्था कर दें। टके के वास्ते झूठ को सच करें। टके के वास्ते ब्राह्मण से मुसलमान, टके के वास्ते हिन्दू से क्रिस्तान। टके के वास्ते धर्म और प्रतिष्ठा दोनों बेचें, टके के वास्ते झूठी गवाही दें।"

5. "मैं तो इस नगरी में अब एक छन भी नहीं रहूँगा। देख मेरी बात मान, नहीं पीछे पछतायेगा। मैं तो जाता हूँ, पर इतना कहे जाता हूँ कि कभी संकट पड़े तो हमारा स्मरण करना।"

इकाई III

6. निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

"जयदेव की कविता का अमृत पान करके तृप्त, मोहित और घूर्णित कौन नहीं होता और किस देश में ऐसा विद्वान है जो कुछ भी संस्कृत जानता हो और जयदेव की काव्य माधुरी का प्रेमी न हो। जयदेव जी का यह अभिमान कि अंगूर और ऊख की मिठास उनकी कविता के आगे फीकी है, बहुत सत्य है।"

7. "यदि विचार करके देखा जायेगा तो स्पष्ट प्रकट होगा कि भारतवर्ष का सबसे प्राचीन मत वैष्णव है। हमारे आर्य लोगों ने सबसे प्राचीन काल में सभ्यता का अवलंबन किया और इसी हेतु क्या धर्म, क्या नीति, सब विषय के ये संसार मात्र के ये दीक्षा गुरु हैं।"

इकाई IV

8. 'हरिश्चन्द्र मेगजीन' के आधार पर भारतेंदु के कथ्य और शिल्प का परिचय दीजिये।

9. संकलित पाठ 'जयदेव' किस प्रकार की रचना है ? पाठ के आधार पर जयदेव के बारे में लिखिये।

इकाई V

10. हिंदी के परवर्ती साहित्य पर भारतेंदु का क्या प्रभाव है ? बताइये।

11. आधुनिक हिंदी के आरंभिक लेखकों में भारतेंदु का स्थान निर्धारित कीजिये।

खण्ड 'स'

12. भारतेंदु के संपूर्ण कृतित्व का मूल्यांकन कीजिये।

13. 'अंधेर नगरी' में निहित व्यंग्य पर प्रकाश डालते हुए इसके शिल्प पर विचार कीजिये।

14. 'प्रतिनिधि संकलन' के आधार पर भारतेंदु के साहित्य की समीक्षा कीजिये।

15. 'हिंदी पत्रकारिता को भारतेंदु की देन' पर एक लेख लिखिये।

16. "भारतेंदु हिंदी के आधुनिक काल के जनक थे।" इस कथन की समीक्षा कीजिये।